गिल-यशस्वी पर कोलंबो टेस्ट में बड़ी पारी का दबाव

165 रन की जीत से भारत सीरीज में 1-0 से आगे

कोलंबो, 22 अगस्त. भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा और निर्णायक मुकाबला रविवार से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब (एसएससी) मैदान पर खेला जाएगा. गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुकी भारतीय टीम की नजर अब सीरीज पर कब्जा करने के साथ एक खास इतिहास दोहराने पर है. शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम यदि कोलंबो में भी जीत दर्ज करती है तो श्रीलंका के खिलाफ उसकी टेस्ट सीरीज 2-0 से उसके नाम हो जाएगी.

दूसरे टेस्ट में सबसे ज्यादा निगाहें भारतीय बल्लेबाजी पर रहेंगी. कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी. गॉल टेस्ट में भारतीय टीम ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन कोलंबो में परिस्थितियां अलग चुनौती पेश कर सकती हैं. ऐसे में शीर्ष क्रम का मजबूत शुरुआत देना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा. गॉल में मिली बड़ी जीत ने भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया है. टीम के पास बल्लेबाजी में अनुभव और युवा आक्रामकता का अच्छा मिश्रण है, जबकि स्पिन विभाग भी श्रीलंकाई परिस्थितियों में प्रभावी साबित हो सकता है. कप्तान गिल के लिए यह मुकाबला व्यक्तिगत तौर पर भी अहम होगा, क्योंकि उनकी कप्तानी में लगातार दूसरी टेस्ट जीत टीम को सीरीज जीत दिलाने के साथ नेतृत्व के मोर्चे पर भी उनकी स्थिति मजबूत करेगी. यशस्वी जायसवाल पर भी बड़ी पारी खेलने की जिम्मेदारी होगी. टेस्ट क्रिकेट में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी भारत को शुरुआती बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाती रही है. कोलंबो की पिच पर नई गेंद के शुरुआती दौर को संभालने के बाद यदि जायसवाल और गिल लंबी साझेदारी बनाने में सफल रहते हैं, तो भारत श्रीलंका पर दबाव बनाने की स्थिति में पहुंच सकता है. इस जीत का असर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पर भी पड़ेगा.

3 साल बाद फिर इतिहास रचने का मौका

भारत के सामने सबसे बड़ा लक्ष्य श्रीलंका में टेस्ट सीरीज जीत का इतिहास दोहराना है. टीम के पास तीन साल बाद एक बार फिर श्रीलंका में सीरीज जीतने का मौका है. गॉल में मिली 165 रन की जीत ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है और अब कोलंबो में जीत उसे 2-0 की क्लीन स्वीप दिला सकती है.

चीन-नीदरलैंड के नतीजे पर टिकीं भारत की उम्मीदें

भारत का सेमीफाइनल का सपना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत पर भी निर्भर

एम्स्टलवीन, 22 अगस्त. एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 में भारतीय महिला टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले निर्णायक मुकाबले पर टिका है. पूल ई में रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे.

दोनों टीमों के खाते में फिलहाल एक-एक अंक है और ऐसे में यह मुकाबला दोनों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है. हालांकि भारत की सेमीफाइनल की राह सिर्फ अपने प्रदर्शन पर निर्भर नहीं है, बल्कि इससे पहले होने वाले नीदरलैंड और चीन के मुकाबले का परिणाम भी काफी अहम होगा. मौजूदा चैंपियन और मेजबान नीदरलैंड शुक्रवार को भारत को 2-0 से हराकर पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका है. शुरुआती चरण से तीन अंक लेकर आगे बढ़ी डच टीम ने भारत के खिलाफ जीत के बाद तीन और अंक हासिल किए और उसके कुल छह अंक हो गए. वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ड्रॉ खेलने वाली चीन की टीम के खाते में दो अंक हैं.

रविवार को पहले नीदरलैंड और चीन के बीच मुकाबला होगा. इसी मैच से भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए सेमीफाइनल की तस्वीर काफी हद तक साफ हो जाएगी. यदि चीन की टीम नीदरलैंड को हरा देती है तो उसके पांच अंक हो जाएंगे. ऐसी स्थिति में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों की अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो जाएंगी. चीन-नीदरलैंड मुकाबला ड्रॉ रहने या नीदरलैंड के जीतने की स्थिति में भारत को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराना जरूरी होगा.

डूरंड कप : कोलकाता डर्बी से तय होगा विजेता

कोलकाता, 22 अगस्त भारतीय फुटबॉल की दिग्गज टीमें ईस्ट बंगाल और मोहन बागान सुपर जाइंट रविवार को डूरंड कप 2026 के फाइनल में आमने-सामने होंगी.

'रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड' की कोशिश टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम के तौर पर अपने प्रतिद्वंद्वी की बराबरी करने की होगी. मोहन बागान ने रिकॉर्ड 17 बार डूरंड कप जीता है, जो ईस्ट बंगाल के 16 खिताबों से एक ज़्यादा है. फाइनल शाम 5:00 बजे विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (जिसे साल्ट लेक स्टेडियम के नाम से भी जाना जाता है) में शुरू होगा. यह इस साल के डूरंड कप की दूसरी कोलकाता डर्बी होगी; इससे पहले टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में मोहन बागान ने सहल अब्दुल समद के गोल की बदौलत 1-0 से जीत हासिल की थी. 'मरीनर्स' (मोहन बागान) ने अपने तीनों मैच जीतकर नौ अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि 'रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड' (ईस्ट बंगाल) ने उसी ग्रुप से दूसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ टीम के तौर पर आगे का सफ़र तय किया; उन्होंने तीन मैचों में छह अंक हासिल किए थे.

नॉकआउट चरण में, मोहन बागान को फ़ाइनल तक पहुँचने के लिए दो बार पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा. क्वार्टर फ़ाइनल में 1-1 से ड्रॉ के बाद उन्होंने पेनल्टी में जमशेदपुर एफसी को 9-8 से हराया, और फिर सेमीफ़ाइनल में बिना किसी गोल के मैच खत्म होने के बाद पेनल्टी में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 4-3 से हराकर उनके खिताब बचाने के अभियान को खत्म किया. वहीं दूसरी ओर, इंडियन सुपर लीग की मौजूदा चैंपियन ईस्ट बंगाल ने इंडियन आर्मी को 1-0 से हराया और फिर पहला सेमीफ़ाइनल बिना किसी गोल के खत्म होने के बाद पेनल्टी में दिल्ली एससी को 5-3 से मात दी.

खिलाड़ियों का तीनों फॉर्मैट में खेलना जरूरी : द्रविड़

नयी दिल्ली, 22 अगस्त पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी के क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाते समय एक सही संतुलन बनाए रखना बहुत ज़रूरी है. 15 साल के इस युवा खिलाड़ी को व्हाइट-बॉल क्रिकेट में खेलने और अनुभव हासिल करने के पर्याप्त मौक़े मिलने चाहिए, लेकिन साथ ही रेड-बॉल क्रिकेट को भी नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए.

डबलिन में ईटीपीएल के लॉन्च के मौक़े पर क्रिकइंफो से बात करते हुए द्रविड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि आपको हमेशा इस संतुलन को बनाए रखना पड़ता है. यह बहुत अच्छी बात है कि सूर्यवंशी को भारत में आईपीएल के ज़रिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है. लेकिन इसके साथ-साथ उसे भारतीय घरेलू क्रिकेट में वापस जाकर रेड-बॉल क्रिकेट खेलने और अपने रेड-बॉल करियर को आगे बढ़ाने का समय भी मिल रहा है.

उन्होंने कहा, हम सभी चाहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट जिंदा रहे, टेस्ट क्रिकेट आगे बढ़े और इसके लिए हमें सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों की ज़रूरत है, जो उम्मीद है कि खेल के सभी फ़ॉर्मेट में खेल सकें.

अब इस संतुलन की असली परीक्षा सूर्यवंशी के सामने है. नया घरेलू सीज़न दलीप ट्रॉफ़ी से शुरू हो रहा है और वह इस ज़ोनल रेड-बॉल टूर्नामेंट में खेलते हुए दिखाई देंगे.

द्रविड़ ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के साथ काम करते हुए सूर्यवंशी को क़रीब से देखा है. उनका मानना है कि लगातार कुछ रेड-बॉल मैच खेलने का मौक़ा इस 15 साल के खिलाड़ी के लिए ख़ास तौर पर बहुत फ़ायदेमंद होगा, क्योंकि अभी तक उसे इस फ़ॉर्मेट में लगातार खेलने का ज़्यादा अवसर नहीं मिला है. 'अच्छी बात यह है कि अब सूर्यवंशी को रेड-बॉल क्रिकेट खेलने का मौक़ा भी मिलेगा. उसने शायद व्हाइट-बॉल क्रिकेट की तुलना में उतना रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है.

एक नजर में

मुकाबला वाकई बहुत कड़ा था : नीरज चोपड़ा

लुसाने, 22 अगस्त शुक्रवार को स्विट्ज़रलैंड में हुई लुसाने डायमंड लीग 2026 में भारत के नीरज चोपड़ा और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे के बीच जैवलिन थ्रो में एक और कड़ा मुक़ाबला देखने को मिला. भारतीय खिलाड़ी का सीज़न का बेस्ट थ्रो जीत से सिर्फ़ नौ सेंटीमीटर कम रह गया. नीरज ने 'स्टेड ओलंपिक डे ला पोंटेस' में 88.05 मीटर का थ्रो किया, लेकिन वे वर्ल्ड लीडर थरंगा से पीछे रह गए, जिन्होंने 88.14 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल की. ग्रेनाडा के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे. नीरज ने कहा, 'मुझे अंदाज़ा नहीं था कि फ़र्क़ सिर्फ़ नौ सेंटीमीटर का है, मुक़ाबला वाकई बहुत कड़ा था, लेकिन मैं 88 मीटर के थ्रो से खुश हूँ.

स्टार्क-कमिंस ने बंगलादेश को 64 रन पर समेटा

मैके. मिशेल स्टार्क (12 रन पर छह विकेट) और कप्तान पैट कमिंस (25 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने बंगलादेश को दूसरे टेस्ट के पहले दिन शनिवार को मात्र 64 रन पर समेट दिया. बंगलादेश ने भी जवाबी हमला करते हुए स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट 165 रन पर गिरा दिए. ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 101 रन की बढ़त हासिल हो गई है. बंगलादेश के शोरिफुल इस्लाम ने 35 रन पर छह विकेट लेकर मेहमान टीम को मुकाबले में बनाये रखा. ऑस्ट्रेलिया की पारी को स्टीवन स्मिथ (42) और कैमरून ग्रीन (नाबाद 51) ने चौथे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी कर संभाला. स्टंप्स के समय नाथन लियोन 10 रन बनाकर ग्रीन के साथ क्रीज पर डटे हुए हैं.

3 मैचों की टेस्ट सीरीज चाहते हैं गंभीर

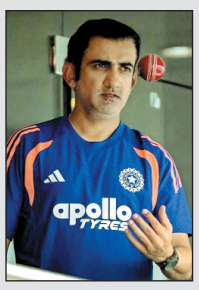

कोलम्बो. भारतीय कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट में ज़्यादा तीन मैचों की सीरीज़ की वकालत की है. उनका तर्क है कि दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ - जैसे कि उनकी टीम अभी श्रीलंका में खेल रही है - में पूरी कहानी या उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिलते. खास तौर पर, उन्होंने कहा कि शुरुआती हार के बाद वापसी करके सीरीज़ जीतने का मौका नहीं मिल पाता. कोलंबो में दूसरे टेस्ट से एक दिन पहले गंभीर ने कहा, 'आदर्श रूप से, मैं तीन मैचों की टेस्ट सीरीज़ चाहूंगा.' उनकी टीम अभी इस सीरीज़ में आगे है, क्योंकि उसने गॉल में 165 रनों से जीत हासिल की थी. 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि ऐसी संभावना होनी चाहिए कि पहला टेस्ट मैच हारने वाली टीम वापसी कर सके और सीरीज़ जीत सके. दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ में आप ऐसा नहीं कर सकते - ज़्यादा से ज़्यादा आप सीरीज़ ड्रॉ करवा सकते हैं. 'टेस्ट मैचों के बीच कम समय का अंतर ठीक है.

कानपुर सुपरस्टार्स की पहली जीत

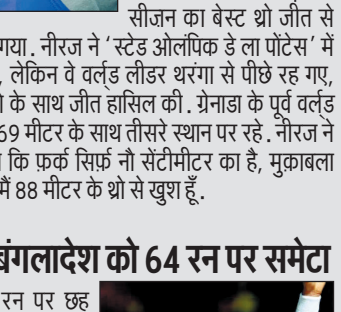

लखनऊ. यूपी टी-20 लीग सीजन-4 में कानपुर सुपरस्टार्स ने शुक्रवार देर रात तक खेले गए मुकाबले में लखनऊ फाल्कन्स को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि लखनऊ को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा. इकाना क्रिकेट स्टेडियम में बारिश से प्रभावित 18-18 ओवर के इस मुकाबले में कानपुर के गेंदबाज अजय कुमार और बल्लेबाज समीर रिजवी तथा आदर्श सिंह ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. अजय कुमार ने चार विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी, जबकि आदर्श सिंह (51) और कप्तान समीर रिजवी (58) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत कानपुर ने एक गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया.

ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड करेंगी डेब्यू

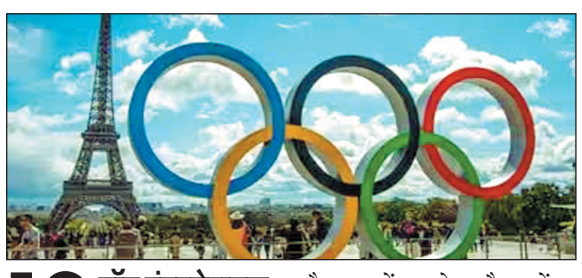

12 टॉप इंटरनेशनल स्टार्स होंगे शामिल

हैदराबाद, 22 अगस्त. पेरिस 2024 ओलंपिक में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वालीं अमेरिका की केसी कॉफ़होल्ड, आर्चरी प्रीमियर लीग के दूसरे सीज़न में डेब्यू करेंगी.

यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा और इसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज़ हिस्सा लेंगे.

आर्चरी एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की इस पहल को तेलंगाना सरकार का समर्थन प्राप्त है. लीग के दूसरे सीज़न में ओलंपियन और वर्ल्ड चैंपियन समेत कुल 48 एथलीट हिस्सा लेंगे, जिन्हें छह क्षेत्रीय फ्रेंचाइज़ी टीमों में बांटा गया है. इस घोषणा पर एपीएल के डायरेक्टर अनिल कामिनेनी ने कहा, 'एपीएल सीज़न 2 में तीन ओलंपिक मेडलिस्ट समेत 12 प्रमुख इंटरनेशनल तीरंदाज़ों को लाना, भारत को ग्लोबल आर्चरी कैलेंडर पर एक अहम जगह बनाने की हमारी महत्वाकांक्षा को दिखाता है. केसी कॉफ़होल्ड का डेब्यू और साथ ही 2020 टोक्यो ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट मेटे गाज़ोज़ और टोक्यो व पेरिस ओलंपिक में दो बार ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाली एलेजांद्रा वैलेंसिया जैसे चैंपियंस की वापसी से कॉम्पिटिशन का स्तर बढ़ेगा और भारतीय तीरंदाज़ों को दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेलने का अनमोल अनुभव मिलेगा.'

मार्कस डी'अल्मेडा एपीएल में अपना डेब्यू करेंगे

कोलंबिया की कंपाउंड तीरंदाज़ और दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी एलेजांद्रा उस्कियानो और ब्राज़ील के मार्कस डी'अल्मेडा (जो अभी दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी हैं और 2014 यूथ ओलंपिक गेम्स में ब्रॉन्ज़ मेडल जीत चुके हैं) उन अन्य अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज़ों में शामिल हैं जो हैदराबाद में एपीएल में अपना डेब्यू करेंगे. ग्रेट ब्रिटेन की एला गिब्सन (जो अभी दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी हैं और पहले सीज़न में जीतने वाली फ्रेंचाइज़ी 'राजपूताना रॉयल्स' का हिस्सा थीं) दूसरे सीज़न के लिए दुनिया के नंबर 5 कंपाउंड तीरंदाज़ निको वीनर के साथ वापसी करेंगी.

ट्रीसा-गायत्री का ब्रॉन्ज के साथ सफर खत्म

नयी दिल्ली, 22 अगस्त भारतीय बैडमिंटन फ़ैन्स का दिल जीतने वाले एक ऐतिहासिक सफ़र में, बिना सीडिंग वाली ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ अपना शानदार सफ़र खत्म किया.

शनिवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में खेले गए सेमीफ़ाइनल में उन्हें चीन की वर्ल्ड नंबर 1 और टॉप सीडेड जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग से हार का सामना करना पड़ा. भारतीय जोड़ी ने ज़बरदस्त टक्कर दी और पहला गेम 21-18 से जीता, लेकिन चीन की टॉप सीडेड जोड़ी ने वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-13, 21-8 से जीत लिए.

हार के बावजूद, ट्रीसा और गायत्री ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में महिला डबल्स मेडल के लिए भारत के 15 साल के इंतज़ार को खत्म किया; इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था. इस ऐतिहासिक सफ़र की शुरुआत क्वार्टरफ़ाइनल में एक शानदार जीत के साथ हुई, जहाँ भारतीय जोड़ी ने चीन की चौथी सीडेड जोड़ी जिया यी फ़ान और झांग शू शियान को तीन गेम के रोमांचक मुक़ाबले में हराकर मेडल पक्का किया. भारतीय जोड़ी पहला गेम 16-21 से हार गई थी, लेकिन फिर ज़बरदस्त वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-15 से जीता.

जुबिन को 'डायरेक्टर ऑफ़ परफ़ॉर्मेंस' किया नियुक्त

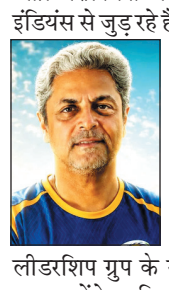

मुंबई. जुबिन भरूचा 'डायरेक्टर ऑफ़ परफ़ॉर्मेंस' के तौर पर मुंबई इंडियंस से जुड़ रहे हैं. वह एमआई इकोसिस्टम में परफ़ॉर्मेंस से जुड़े सभी क्षेत्रों में पहले से मौजूद मल्टी-डिसिप्लिनरी लीडरशिप ग्रुप के साथ मिलकर काम करेंगे. जुबिन, एमआई के बेहतरीन ढंग से जुड़े हुए इकोसिस्टम में मौजूदा सपोर्ट स्टाफ़ के साथ काम करेंगे और खिलाड़ियों के विकास में लगातार शानदार प्रदर्शन करने के मुंबई इंडियंस के स्थापित तरीक़े को और आगे बढ़ाएंगे.

कोको गॉफ सेमीफाइनल में

सिनसिनाटी, 22 अगस्त अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ 'क्वीन सिटी' में दूसरी बार खिताब जीतने के बहुत करीब हैं. उन्होंने शुक्रवार को 2026 सिनसिनाटी ओपन के महिला सिंगल्स क्वार्टर-फ़ाइनल में नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक के खिलाफ शानदार टेनिस का प्रदर्शन किया.

24 साल की खिलाड़ी और दो बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स सेमीफ़ाइनलिस्ट को सीधे सेटों (6-2, 6-2) में हराकर, वह सेमीफ़ाइनल में पहुँच गईं. वहाँ उनका मुकाबला चेकिया की सारा बेजलेक से होगा, जिन्होंने उसी दिन नॉर्थ अमेरिकन स्टार मैडिसन कीज़ को 3-6, 6-4, 7-6(5) से हराया था.

हमारे तेज़ गेंदबाज़ों को अपना स्तर थोड़ा और बढ़ाना होगा

कोलम्बो. श्रीलंका के कप्तान धनंजय डीसिल्वा चाहते हैं कि टीम के पास 140 किमी प्रति घंटे से ज़्यादा रफ़्तार से गेंदबाज़ी करने वाले कम से कम 'दो या तीन गेंदबाज़' होने चाहिए. धनंजय डीसिल्वा चाहते हैं कि उनके पास चुनने के लिए ज़्यादा तेज़ गेंदबाज़ हों, और वह मौजूदा तेज़ गेंदबाज़ों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रखते हैं. असिता फ़र्नांडो पिछले कुछ वर्षों में अपने बेहतर प्रदर्शन के कारण श्रीलंका के प्रमुख तेज़ गेंदबाज़ बन गए हैं. हालांकि वह 130 किमी प्रति घंटे के आसपास की रफ़्तार से लगातार सटीक लाइन-लेंथ और तीव्रता के साथ गेंदबाज़ी करते हैं.

अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ▸ भारतीय महिला पहलवानों का शानदार प्रदर्शन

मानसी ने जीता रजत, तन्वी-कोमल के नाम कांस्य

03 पदक से बढ़ा देश का गौरव

ब्राटिस्लावा, 22 अगस्त. भारतीय महिला कुश्ती दल ने स्लोवाकिया में आयोजित अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप के नवीनतम दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की पदक संख्या में तीन और इजाफा किया.

भारतीय पहलवानों ने एक रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किए. 68 किग्रा वर्ग में मानसी लाठर ने रजत पदक जीतकर प्रभावित किया, जबकि तन्वी गुंडेश मगदुम और कोमल ने कांस्य पदक हासिल किए. 68 किग्रा वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में मानसी लाठर का सामना चीन की चेनलिंग सॉन्ग से हुआ. दोनों पहलवानों के बीच मुकाबला बेहद कड़ा रहा. मानसी ने रक्षात्मक रणनीति के साथ मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बनाए रखा, लेकिन अंत में उन्हें 1-2 से हार का सामना करना पड़ा. इस हार के बावजूद मानसी ने रजत पदक अपने नाम किया और विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया. अब भारतीय दल की नजरें पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग के बाकी मुकाबलों पर हैं.

भारत को कांस्य पदक के मुकाबलों में भी सफलता मिली. 57 किग्रा वर्ग में तन्वी गुंडेश मगदुम ने कनाडा की एग्निया क्राकोवस्का के खिलाफ आक्रामक और प्रभावी कुश्ती का प्रदर्शन किया. तन्वी ने मुकाबले में शुरू से ही पकड़ बनाए रखी और अंततः 10-4 के शानदार अंतर से जीत दर्ज कर कांस्य पदक हासिल किया. इसके कुछ ही समय बाद 59 किग्रा वर्ग में कोमल ने भी भारत के लिए एक और कांस्य पदक पक्का किया. उन्होंने हंगरी की एडा बालाज के खिलाफ संयमित लेकिन प्रभावी प्रदर्शन किया और मुकाबला 5-2 से अपने नाम किया. इस जीत के साथ कोमल ने पोडियम पर अपनी जगह सुनिश्चित की और भारतीय महिला टीम के शानदार प्रदर्शन में एक और पदक जोड़ दिया.

भारत की पदक तालिका...

1. मानसी लाठर –	68 किग्रा –	रजत पदक
2. तन्वी गुंडेश मगदुम –	57 किग्रा –	कांस्य पदक
3. कोमल –	59 किग्रा –	कांस्य पदक